Mode)
Integrated

brid Mode)
lusive, Integrated,
earning
our Chhattisgarh.

National Conference (Hybrid Mode)
Department of Education

Hybrid Mode)
nclusive, Integrated,
Learning
pur, Chhattisgarh.

Mode)
Integrated

rid Model
Chhattisgarh

National Conference (Hybrid Model)

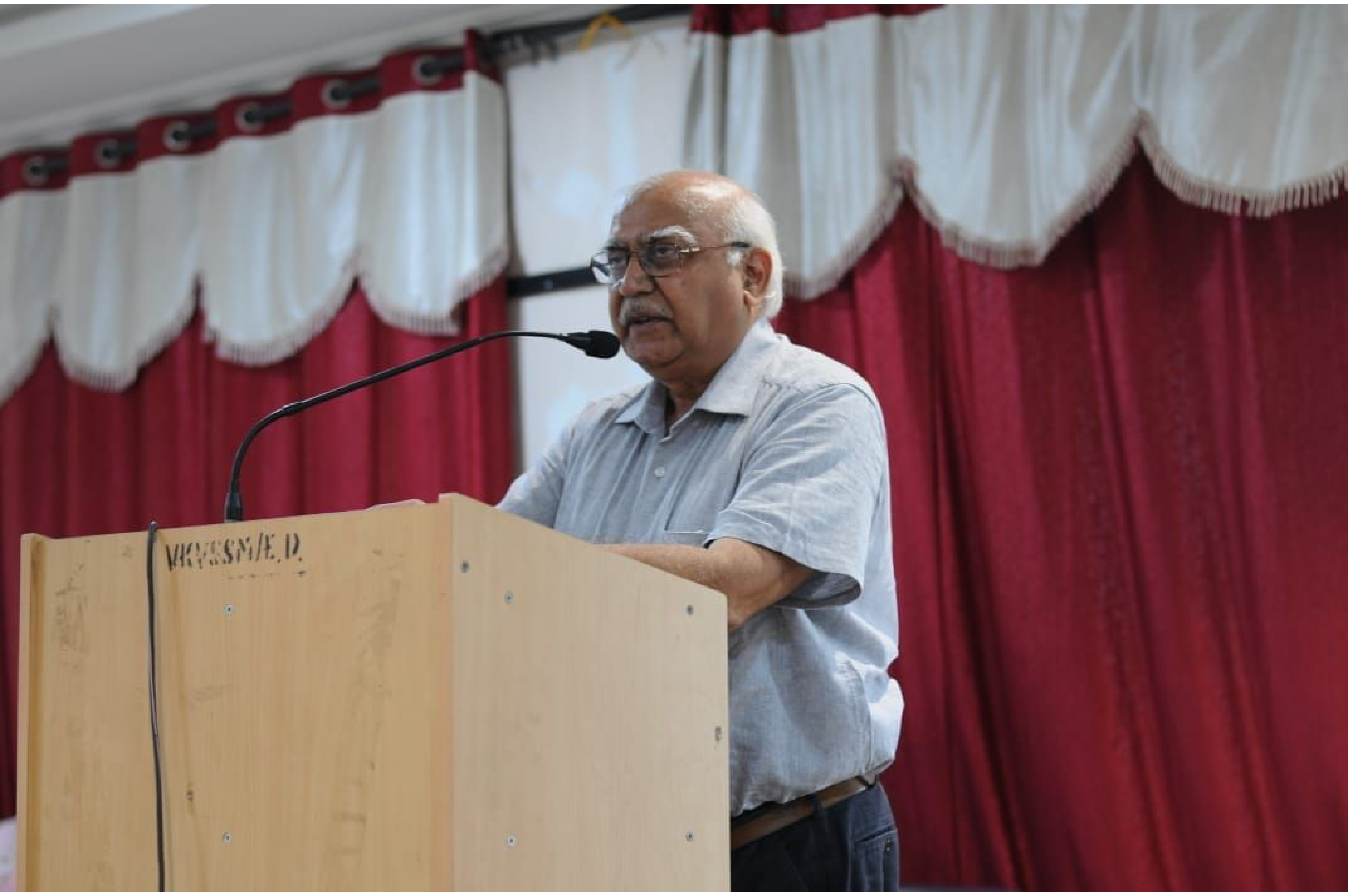

Mode)
Integrated,

ce (Hybrid Mode)
g the Inclusive, Integrated,
oyable Learning
tion,
ollege, Raipur, Chhattisgarh.

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Rajdhani - 17 Jun 2022 - 17raj3

सभी के लिए समान शिक्षा की आवश्यकता : डॉ. चौधरी

विप्र कॉलेज मे नेशनल कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन

■ नवभारत ब्यूरो | रायपुर.
www.navabharat.news

विप्र महाविद्यालय में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन के दूसरे दिन प्रथम तकनीकी सत्र में कल्याण पीजी कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. अनिर्बन चौधरी ने समान और समवेशी शिक्षा विषय पर व्याख्यान पर व्याख्यान दिया. उन्होंने कहा कि

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समावेशी शिक्षा महत्वपूर्ण है. सभी के लिए समान रूप से शिक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए. मानव संसाधनों को उत्कृष्ट बनाने के लिए ग्रामीण, कमजोर एवं वंचित वर्ग को समान रूप से शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था होनी चाहिए. मनोवैज्ञानिक रूप से विकृत बच्चों के लिए विशिष्ट शिक्षकों की आवश्यकता होती है. उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए. सीखने वाले बच्चों की सभी बाधाओं को दूर करने की व्यवस्था शिक्षा नीति में आवश्यक है. द्वितीय तकनीकी सत्र में रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन भोपाल के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजय पंडागले ने एनईपी 2020 प्रौद्योगिकी का समान एकीकरण विषय पर तथा तृतीय तकनीकी सत्र में डॉ. जग्गनाथ ढागे द्वारा तकनीकी का एकीकरण एवं प्रयोग विषय पर ऑनलाइन मोड में व्याख्यान दिए.

राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

बच्चों को वातावरण से जोड़ें प्राइमरी टीचर

पत्रिका plus रिपोर्टर

रायपुर. पहले, अभी और हमेशा शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक केंद्र बिंदु होगा। शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। विशेषकर माध्यमिक शाला के शिक्षक का दायित्व सर्वाधिक होता है क्योंकि भाषा और सामान्य गणित, विज्ञान की आधारभूत शिक्षा महत्वपूर्ण होती है। अतः नई शिक्षा नीति तभी कारगर होगी जब शिक्षकों की कमी ना हो और शिक्षक भी प्रशिक्षित हों। यह कहा रविवि के पूर्व कुलपति एस.के. पांडेय ने। वे एक निजी कॉलेज में तीन दिनी राष्ट्रीय सम्मलेन के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। आगे कहा, प्राथमिक शाला के शिक्षकों का दायित्व है कि बच्चों को अपने आसपास के वातावरण से जोड़ें उन्हें पेड़ पौधे ,तालाब, नदी सभी चीजों की जानकारी हो। तकनीकी सत्र में आलोक शर्मा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के राज्य नोडल अधिकारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की व्यापक अनुशंसाएं एवं इसके क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियां विषय पर, विक्रमजीत सिंह एसोसिएट प्रोफेसर, सेंट जेवियर्स कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन कर्नाटक ने गुणवत्ता पूर्ण उच्च शिक्षा के क्रियान्वयन के लिए प्रोद्योगिकी के एकीकरण विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिए। योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुसार महाविद्यालय की अधोसंरचना का निर्माण करना और शिक्षकों को प्रशिक्षित होना होगा।

ybrid Mode)
clusive, Integrated,
earning
r, Chhattisgarh.